## खाटू में ग्यारस की रात जो आती है। By Sanjeev Sharma

खाटू में ग्यारस की रात जी आती है कीर्तन की ताली से महफ़िल गूँज जाती है बाबा जब सजधज कर दरबार लगाता है हर प्रेमी दीवाना बनकर झूम जाता है

खाटू की महिमा क्या मैं सुनाऊँ अपने ही दिल की बात बताऊँ बिन बोले बाबा सब सुन लेता प्रेमी के मन को पल में पढ़ लेता सावरिया से आँखें जब यूँ मिल जाती है कीर्तन की ताली से महफ़िल गूँज जाती है

जबसे मिला है तेरा सहारा हारे का साथी श्याम हमारा बिन तेरे नैया डगमग डोले आजा ना बाबा दिल मेरा बोले भक्तों के खातिर ये दौड़ा आता है हर प्रेमी दीवाना बनकर झूम जाता है

जो कहने आये वो कह ना पाए बातें दिलों की दिल में रह जाए ऐसा लगे जैसे जन्नत मिली हो संजीव पे बाबा की किरपा बनी हो बारस पे हर प्रेमी जब घर को जाता है दो आंसू तेरे चरणों में छोड़ आता है खाटू में ग्यारस की रात..........

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%96\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%9f\%e0\%a5\%82-\%e0\%a4\%ae\%e0\%a5\%87\%}{e0\%a4\%82-\%e0\%a4\%97\%e0\%a5\%8d\%e0\%a4\%af\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%b0\%e0\%a4\%be}\\$   $\frac{\text{%e0\%a4\%95\%e0\%a4\%97\%e0\%a5\%8d\%e0\%a4\%af\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%86}{\text{%e0\%a4\%95\%e0\%a5\%80-\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%a4-\%e0\%a4\%9c\%e0\%a5\%8b-\%e0\%a4\%86}$